

हरियाणा की अरावली को संरक्षित वन का दर्जा मिला

चर्चा में क्यों?

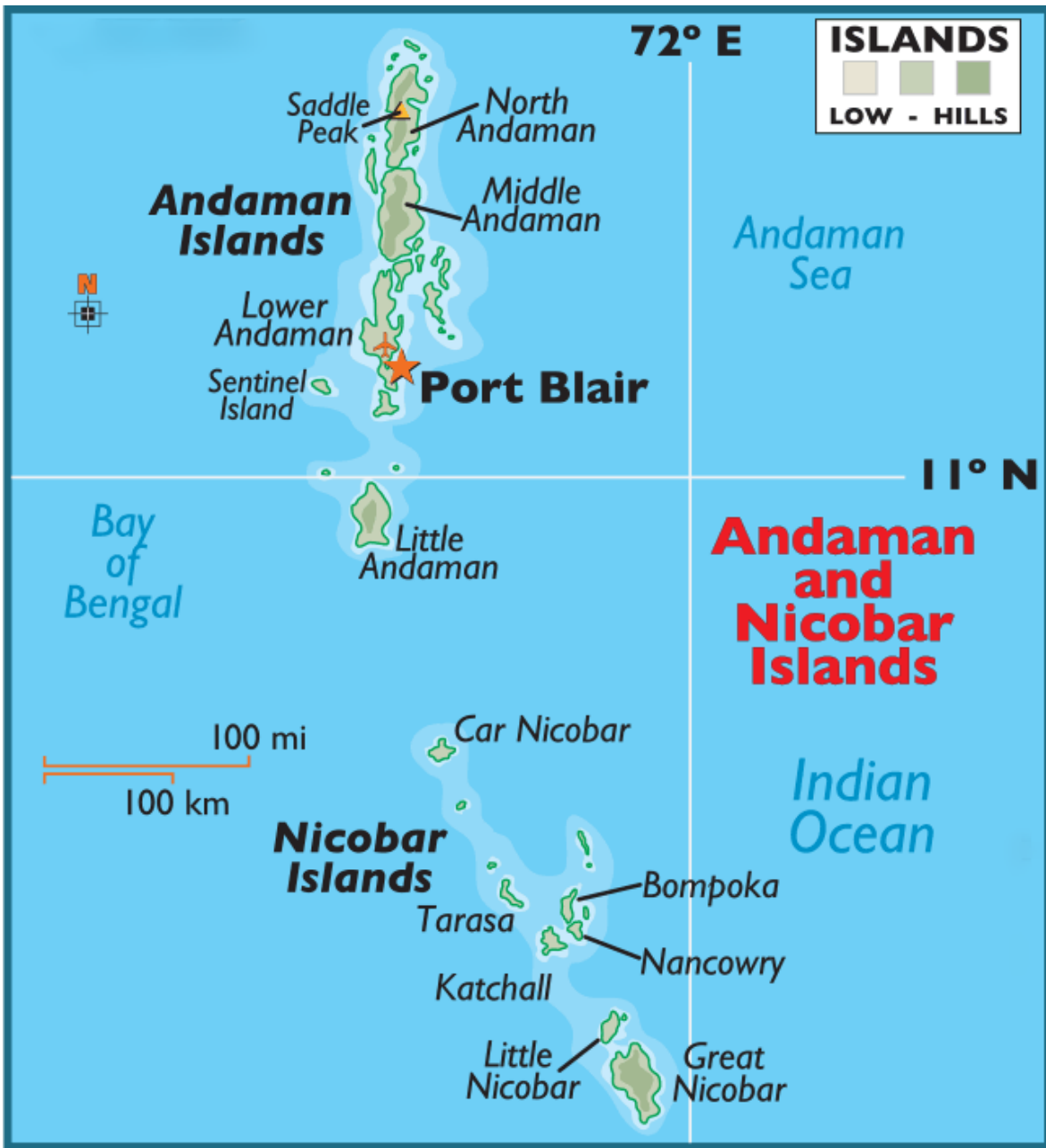
हाल ही में हरियाणा ने [ग्रेट नकीोबार](#) में [उष्णकटबिंधीय वर्षावनों](#) के वनाश की भरपाई के लिये [प्रतपूरक वनीकरण स्वैप](#) के तहत अपने पाँच ज़िलों में [अरावली](#) की 24,353 हेक्टेयर भूमि को संरक्षित वन के रूप में नामित किया है।

मुख्य बंदि

- हालाँकि लक्ष्य 26,000 हेक्टेयर था, लेकिन हरियाणा 24,353 हेक्टेयर भूमि हासिल करने में सफल रहा। शेष 1,647 हेक्टेयर भूमि के लिये [केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय \(MoEFCC\)](#) मध्य प्रदेश सरकार के साथ वार्ता कर रहा है।
- नवंबर 2022 में MoEFCC ने अपनी मंजूरी दे दी, जिसे [ग्रेट नकीोबार में एक विशाल परियोजना](#) का मार्ग प्रशस्त हो गया।
 - इस परियोजना में 160 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक शपिंग बंदरगाह, एक वदियुत संयंत्र और एक टाउनशिप का निर्माण शामिल है।
 - इस भूमि का 80% से अधिक हिस्सा प्राचीन उष्णकटबिंधीय वन का हिस्सा है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग दस लाख पेड़ नष्ट हो गए हैं।
 - फरवरी 2023 में यह निर्णय लिया गया कि भारत की मुख्य भूमि से दूर एक द्वीप में इस्मन वनाश के लिये [प्रतपूरक वनरोपण](#) हरियाणा की अरावली में किया जाएगा।
 - हरियाणा सरकार, जिसे प्रतपूरक वनरोपण के लिये अपनी योजना प्रस्तुत की है, को अपने पाँच ज़िलों में अरावली को पुनर्जीवित करने के लिये 3,000 करोड़ रुपए मल्लिगे।
 - पाँच ज़िले हैं - गुरुग्राम, नूंह, रेवाड़ी, महेंदरगढ़ और चरखी दादरी।

ग्रेट नकीोबार द्वीप

//



- ग्रेट निकोबार, निकोबार द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी और सबसे बड़ा द्वीप है, जो बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी भाग में मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय वर्षावन का 910 वर्ग किलोमीटर का वरिल रूप से बसा हुआ क्षेत्र है।
- द्वीप पर **इंदिरा प्वाइंट**, भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु, इंडोनेशियाई द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप सुमात्रा के उत्तरी सरि पर सबंग से 90 समुद्री मील (<170 किलोमीटर) दूर स्थित है।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 836 द्वीप शामिल हैं**, जो दो समूहों में विभाजित हैं, जिनमें उत्तर में स्थित अंडमान द्वीप समूह तथा दक्षिण में स्थित निकोबार द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है, जो 150 किलोमीटर चौड़ी 10 डगिरी चैनल द्वारा अलग होते हैं।
- ग्रेट निकोबार में दो राष्ट्रीय उद्यान, एक बायोस्फीयर रिजर्व, शोम्पेन, ओन्गे, **अंडमानी और निकोबारी जनजातीय लोगों की छोटी आबादी** तथा कुछ हजार गैर-आदवासी निवासी हैं।